http://www.howtoexam.com

This question paper contains 8+4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

5504

B.A. (Programme)/I **I-I**

HINDI LANGUAGE — Paper I (A)

हिंदी भाषा — प्रश्न-पत्र I (क)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं, किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15+15

(क) आदिम युग का मनुष्य समूह में रहते हुए भी पारस्परिक स्वार्थ की विवेचना और उसकी समस्याओं से अपरिचित रहा होगा। अनुमानत: सामाजिक भावना का जन्म परस्पर हानि पहुँचाने वाले आचरण से तथा उसका विकास नवीन स्थानों में उत्पन्न संगठन की आवश्यकता से हुआ है। किसी भी प्राणि समूह को अपने जन्म-स्थान में उतने अधिक संगठन

P.T.O.

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

की आवश्यकता नहीं होती जितनी किसी नए स्थान में होती है, जहाँ उसे अपने आपको नवीन परिस्थितियों के अनुरूप बनाना पड़ता है। यदि उसकी सहज बुद्धि इस एकता की अनिवार्यता का बोध न कराती तो इस समूह-विशेष का जीवन ही कठिन हो जाता। मनुष्य-जाति जब जीवन के लिए अधिक सुविधाएँ प्रदान करने वाले प्रदेशों में फैलने लगी तब उसके भिन्न-भिन्न समूहों को अपनी शक्तियों का दृढ़तर संगठन करने की आवश्यकता ज्ञात हुई, अन्यथा वे नयी परिस्थितियों और नए शत्रुओं से अपनी रक्षा करने में समर्थ न हो पाते। भिन्न-भिन्न व्यक्तियों में बिखरी हुई उच्छृंखल शक्ति जाति के लिए दुर्बलता बन जाती है। यह पाठ मनुष्य-समूह ने अपने जीवन के आरंभ में ही सीख लिया था; इसी से वह उसे एकता के सूत्र में बाँधकर अपने आपको सबल बना सका।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ का 'शीर्षक' एवं लेखक का नाम बताइए।

(*ii*) मनुष्य में सामाजिक भावना का विकास कैसे हुआ ?

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(iii) मनुष्य जाति को संगठित होने की आवश्यकता क्यों पड़ी ?

(iv) किसी जाति को दुर्बल होने से रोकने के लिए लेखक ने क्या उपाय बताये हैं ?

(v) आचरण, संगठन, उच्छृंखल, शक्ति, एकता और नवीन शब्दों के विलोम लिखिए।

(ख) भारतेन्दु युग के पत्रकारों ने अंग्रेजी राज की भारत-सम्बन्धी नीति की ही कड़ी आलोचना न की थी, उन्होंने साम्राज्यवादियों की अन्तर्राष्ट्रीय युद्धनीति का सही रूप जनता के सामने पेश करके संसार के तमाम साम्राज्य विरोधियों का भाईचारा मज़बूत किया था। चीन में पश्चिमी फौजों की लूट का वर्णन करते हुए गदाधरसिंह ने अपनी पुस्तक 'चीन में तेरह मास' में लिखा था, ''किसी चीज की माँग होने पर तनिक भी विलम्ब होने से असहाय चीनी को सशरीर अर्पण होना पड़ता था। अवश्य चीज को चाहने वाला केवल चीज ही लेता था और लोथ को दयापूर्वक कूकुरों के भोजनार्थ दान कर देता था। कहा भी तो है, 'दान में दया देय,

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

तीन लोक जीत लेय'। इस तरह साम्राज्यवादी लूट का क्रूर चित्र दिखाकर हिंदी लेखकों ने तमाम साम्राज्य-विरोधी शक्तियों के साथ सक्रिय सहानुभूति का रास्ता अपनाया। उन्होंने साम्राज्यवाद से तटस्थ रहना, उससे 'नॉनअलाइनमेंट' के रास्ते पर चलना हमें नहीं सिखाया। जब तक संसार में साम्राज्यवाद कायम है तब तक एक ही सही नीति हो सकती है—उसका सक्रिय विरोध, उसके विरोधियों से सक्रिय से सक्रिय सहानुभूति।''

(*i*) भारतेन्दु युग के पत्रकारों ने साम्राज्य-विरोधी ताकतों को कैसे परास्त किया ?

(*ii*) गदाधरसिंह ने अपनी पुस्तक में किन विचारों को प्रकट किया है ? अपने शब्दों में लिखिए।

(*iii*) 'दान में दया देय, तीन लोक जीत लेय' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'नॉनअलाइनमेंट' से आप क्या समझते हैं ?

(*v*) अर्पण, सहानुभूति, भाईचारा शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(ग) इन्हीं प्राकृतिक पदार्थों का अनुशीलन करते-करते इन आर्यों को ईश्वर के विषय में जो-जो भाव उदय हुए वे ही सब एक नए प्रकार का साहित्य उपनिषद के नाम से कहलाए। जब इन आर्यों का समाज अधिक बढ़ा और लोगों की रीति-नीति और बर्ताव में विभिन्नता होती गई तब सबों को एकता के सूत्र में बद्ध रखने के लिए और अपने-अपने गुण कर्म से लोग चल विचल हो सामाजिक नियमों को जिसमें किसी प्रकार की हानि न पहुँचावें इसलिए स्मृतियों के साहित्य का जन्म हुआ। मनु, अत्रि, हारीत, याज्ञवल्क्य आदि ने अपने-अपने नाम की संहिता बना विविध प्रकार के राजनीतिक, सामाजिक और धर्म-सम्बन्धी विषयों का सूत्रपात किया। इन्हीं के समकालीन गौतम, कणाद, कपिल, जैमिनि, पतंजलि आदि हुए जिन्होंने अपने-अपने सोचने के परिणामस्वरूप दर्शनशास्त्रों की बुनियाद डाली। यहाँ तक जो साहित्य हुए यद्यपि वेद की भाषा का अनुकरण उनमें होता गया परन्तु नित्य-नित्य उनकी भाषा अधिक-अधिक सरल, कोमल और परिष्कृत होती गई।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ का शीर्षक बताकर उसके लेखक का नाम लिखिए।

P.T.O.

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(*ii*) लोगों के रीति-नीति और बर्ताव में विभिन्नता को एकता के सूत्र में बाँधने का प्रयास क्यों और किस तरह से किया गया ?

(*iii*) संहिताओं की रचना किन-किन ऋषियों के नाम से हुई और उनमें किन विषयों की चर्चा की गई ?

(*iv*) वेद की भाषा का अनुकरण किन साहित्यों में हुआ और भाषा में किस प्रकार के परिवर्तन आए ?

(*v*) उपनिषदों की उत्पत्ति किस प्रकार हुई ?

2. प्रश्नों के आधार पर निम्नलिखित अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

"मेरे मित्र अर्से से राजधानी में रह रहे हैं। जाने-माने प्रतिष्ठित लेखक हैं। कड़वी, क्रोधी और टेढ़ी टिप्पणियों के लिए चर्चित होते रहते हैं। लेकिन उनको ठीक से जानने वाले जानते हैं कि इस चुभनभरे नारियली जटाजूट के भीतर कितनी मिठास और तरलता है। कुछ मित्रों की राय है कि उनका यह कड़वा माया-कंचुक उनके एकाकी जीवन से निकला है। वे परिवार-बच्चों वाले होते तो शायद ऐसे न होते। मुझे लगता है, कि यह सही नहीं। शायद

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

तब भी ऐसे ही होते क्योंकि हमारे समय में कई बार एक ईमानदार मर्म की उष्मा और तरलता को भाप बनकर उड़ने से बचाने को उसे खुरदरे कम्बल में लपेटना ही पड़ता है।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का केन्द्रीय विचार बताइए। 2

(*ii*) केन्द्रीय विचार को सहयोग देने वाले अन्य विचार-बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। 4

(*iii*) 'नारियली जटाजूट' शीर्षक पर एक अनुच्छेद लिखिए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(*i*) प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है—पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)

(*ii*) विकास (सिद्धान्त) एक विश्व-व्यापक नियम माना जाता है। स्पष्ट कीजिए। (विज्ञान और धर्म)

(*iii*) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अंग्रेजी राज के विरोध में अपना प्रतिज्ञा-पत्र कब और किस पत्रिका में प्रकाशित किया ?

(आधुनिक हिंदी साहित्य की विरासत)

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(*iv*) महादेवी वर्मा समाज को बांधने वाला दृढ़ सूत्र किसे मानती हैं ? (समाज और व्यक्ति)

(*v*) अमेरिका व आस्ट्रेलिया की खोज किस-किसने की थी ? (अस्मिताओं का संघर्ष)

(*vi*) आज़ादी के बाद केरल क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए। (बदलता भारतीय समाज : बहुआयामी दृष्टि)

(*vii*) 'तमस' उपन्यास की रचना किन परिस्थितियों के दबाव के कारण हुई ? (आज के अतीत से)

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(*i*) सत्ती की नजर में माणिक मुल्ला कैसे आदमी थे ?

(*ii*) तन्ना के द्वारा जमुना से विवाह ठुकराने पर जमुना की माँ ने क्या कहा ?

(*iii*) तन्ना पर शीघ्र ही बुढ़ापा क्यों दिखने लगा था ?

(*iv*) लिली के यह कहने पर कि 'स्कन्दगुप्त' अच्छी लगी, माणिक ने उससे क्या कहा ?

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(v) माणिक मुल्ला की मानसिक स्थिति का लेखक ने किस प्रकार वर्णन किया है ?

(vi) सत्ती चमन ठाकुर के धन्धे में क्या मदद करती थी ?

(vii) लेखक 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' में माणिक मुल्ला को सातवें घोड़े से कैसे संबद्ध करते हैं ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सिगरीउनसत को कौनसा स्थान प्रिय था ? वह उस स्थान पर कब और क्या खोजने आई थी ?

(ii) लेखक ने केरल के लोगों की क्या विशेषताएँ बताई हैं ?

(iii) लेखक कुमाऊँ को स्विटजरलैंड बनाने का पक्षधर क्यों नहीं है ? स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'झेलम से हसि बांगा' तक यात्रा वृतांत में लेखक की आँखों के सामने कश्मीर का सारा नक्श कैसे तैर उठता है ?

(v) इब्सन के नाटकों में सीयन की यादें किस तरह संचित हैं ?

P.T.O.

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(*vi*) दूसरे विश्वयुद्ध में हिटलर ने सबसे पहला आक्रमण कहाँ और क्यों किया ?

(*vii*) मॉरीशस में भारतीय मजदूरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था ?

5. किसी **एक** विषय पर परिचर्चा **अथवा** विस्तृत टिप्पणी लिखिए : 10

(*i*) उच्च शिक्षा में नैतिक मूल्य

(*ii*) भारतीय नारी

(*iii*) जीवन में खेलों का महत्व।

6. निम्नलिखित कथांश को संवाद में रूपान्तरित कीजिए : 5

एक पहर बीत जाने पर वे फिर ममता के पास आए। उस समय उनके पीछे दस सेवक चाँदी के बड़े थालों में कुछ लिए हुए खड़े थे; कितने ही मनुष्यों के पर्दों की आवाज़ सुनकर ममता ने पीछे घूमकर देखा। मंत्री जी ने सब थालों को रखने का संकेत किया। अनुचर थाल रखकर चले गए। ममता ने जिज्ञासा के लहजे से देखा। पिताजी ने कहा—तेरे लिए उपहार है, बेटी। ममता का चौंक जाना स्वाभाविक था। उसने पूछा कि इतना स्वर्ण कहाँ से

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

आया और कौन लाया ? क्या आपने मलेच्छों से रिश्वत ली है ? यह अनर्थ किया है आपने। लौटा दीजिए। हम लोग ब्राह्मण हैं, इतना सोना लेकर क्या करेंगे ? पिताजी को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त कहा, बेटी ! पतनोन्मुख सामंत-वंश अब निकट आ गया है। उस दिन मंत्रीपद छिन जाएगा। तब के लिए इस सबका इन्तज़ाम किया है। ममता को पिता का यह तुच्छ विचार उचित न लगा। पिताजी, क्या भीख भी नहीं मिलेगी ? क्या कोई ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न भी न दे सकेगा ? मैं काँप रही हूँ। इसे वापिस कर दीजिए। इसकी चमक आँखों को अंधा बना रही है।

7. (क) कोश की परिभाषा बताते हुए किसी द्विभाषी कोश की विशेषताएँ बताइए। 5

(ख) कोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 5

नीरस, नितान्त, सागर, प्रिय, वेद, चोरी, चिन्ता, नम्रता, विनायक, तीव्र, प्रार्थना, पुत्र, देव, वीरता, आकाश, सीमान्त, क्षितिज, बोझ, बैल, धनुष।

P.T.O.

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects

http://www.howtoexam.com

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का पदक्रम व्यवस्थित कीजिए : 5

(*i*) गीता विद्यालय जाकर खाना खाएगी।

(*ii*) बच्चों को काटकर फल खिला दो।

(*iii*) अध्यापक ने बच्चों को घर भेजकर पढ़ा दिया।

(*iv*) गाँधीजी ने अंग्रेजों से प्रेम अहिंसा को जीत लिया।

(*v*) जंगल में दूर निकल गयी मेरी गाय घास चरते-चरते।

HowToExam.com

Download 10th and 12th previous year old paper and model papers for all subjects